

~~में और तकीव है पे ओ और लकीम को मकान मय जशन करवा है।~~
 केसी ओर कालमगी संसुरी के स्वातुता संसुरी पे चतुहल जाम
 केवदेक का गया वगणना में बाड़ा जाता है निहाले विवाद कियता
 हो गया है।

प्रतिवादी जाम जिम केचिकका के शाब्दिक से दारियता
 प्रामुता दिनांक 3-8-12 में कालेगीतर है कि माँया पञ्जुका के पुगना
 खेसम नं 364, 365 वीं 366 खकवा 9 डी के तकरार में लाने की
 कियता ही गयी थी कि 0 P2 के तंगतकाए काले के खेसम से यम
 मोकदमा दारिज जिम उमा है वयोकि नया खेसम खेसम नं
 679 केनाबाद जिम यका के नाम से खुला है वो खकवा केवदेक
 गया खेसम के खेसम खेसम में काला नाम दप गरी काले डी
 मोकदमा दिनांक के लानक है प्रामुता कादि 6 में कालेगीतर है
 कि 0 P2 के पिता चतुहल खका संसुरी वीं उगके आई थी को माँया
 पञ्जुका का नाम खेसम के पुगना खका नं 389 पुगना खेसम नं
 365 में खकवा 12 पूर , खेसम 364 में खकवा 4 वका 10 पूर वीं
 खेसम 366 में खकवा 10 पूर दिनांक 27-2-47 को निवादिन
 केतवना से खकवा 3 वका 12 पूर कताय क दिरे वीं उतपर
 खकीदना कादि दारिल पूर । यके से कि दिनांक 21-7-64
 को के वका मुखलिम अरपी फरौव से 10 पूर खकवा केना
 नं 8992 दिनांक 21-7-1964 को से खेसम काला पर खेसम
 गरी दरीया जमा है वो मुखलिम अरपी फरौव कांन पर गरी
 खेसम गया है यके वीं कालेगीतर है कि 0 P2 के पिता ने
 पुगना खेसम 365 पर 366 में खकवा 6 पूर वीं खेसम 364 में
 खकवा 4 पूर खेसम क दिया लेकिन केवदेक ने निवादिन
 खकवा 10 पूर लिखा है जो गलत है । खकवा केवदेक को
 खेसम 364, 365 वीं 366 में सिर्फ 10 पूर का केविका है वकि
 पुगे खेसम को वीं कब्य पकीन पर । यह वीं कालेगीतर है
 कि गया खका 679 गया खेसम 589 खकवा 9 डी

